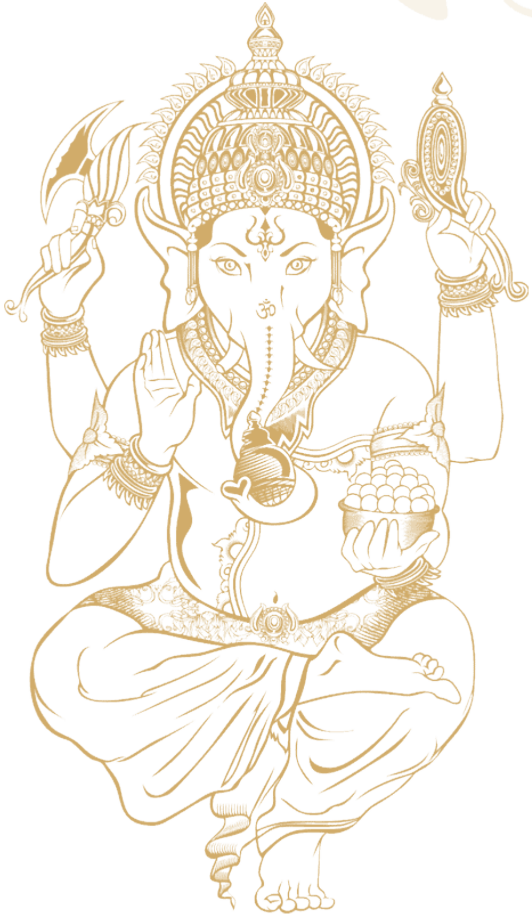

Mr.umang

05 Oct 1993

02:25 PM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 120636701

तिथि 05/10/1993 **समय** 14:25:00 **वार** मंगलवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:46:27
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	15:00:02 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:11:31 घं	योनि	मेष
सूर्योदय	06:16:15 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	18:02:33 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2050	वश्य	चतुष्पाद
शक संवत	1915	वर्ग	गरुड़
मास	आश्विन	युँजा	पूर्व
पक्ष	कृष्ण	हंसक	भूमि
तिथि	5	जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
नक्षत्र	कृतिका	पाया(रा.-न.)	रजत-स्वर्ण
योग	सिद्धि	होरा	सूर्य
करण	कौलव	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी		योगिनी	
सूर्य 0वर्ष 8मा 5दि		उल्का 0वर्ष 8मा 5दि	
राहु		उल्का	
12/06/2011		11/06/2024	
11/06/2029		12/06/2030	
राहु	22/02/2014	उल्का	11/06/2025
गुरु	18/07/2016	सिद्धा	11/08/2026
शनि	25/05/2019	संकटा	11/12/2027
बुध	11/12/2021	मंगला	10/02/2028
केतु	29/12/2022	पिंगला	11/06/2028
शुक्र	29/12/2025	धान्या	11/12/2028
सूर्य	23/11/2026	भ्रामरी	11/08/2029
चन्द्र	24/05/2028	भद्रिका	12/06/2030
मंगल	11/06/2029		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			07:37:50	मक	उत्तराषाढ़ा	4	सूर्य	केतु	---	0:00			
सूर्य			18:21:33	कन्या	हस्त	3	चंद्र	बुध	सम राशि	1.38	भ्रातृ	पितृ	सम्पत
चंद्र			08:28:56	वृष	कृतिका	4	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण	1.14	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल			11:50:23	तुला	स्वाति	2	राहु	शनि	सम राशि	1.34	पुत्र	भ्रातृ	क्षेम
बुध			11:51:17	तुला	स्वाति	2	राहु	शनि	मित्र राशि	1.05	मातृ	ज्ञाति	क्षेम
गुरु		अ	28:27:00	कन्या	चित्रा	2	मंगल	शनि	शत्रु राशि	0.89	आत्मा	धन	विपत
शुक्र			23:05:12	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	शनि	शत्रु राशि	1.16	अमात्य	कलत्र	अतिमित्र
शनि	व		00:17:38	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण	1.42	कलत्र	आयु	विपत
राहु	व		10:21:21	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	सूर्य	शत्रु राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु	व		10:21:21	वृष	रोहिणी	1	चंद्र	चंद्र	सम राशि		---	मोक्ष	सम्पत

लग्न-चलित

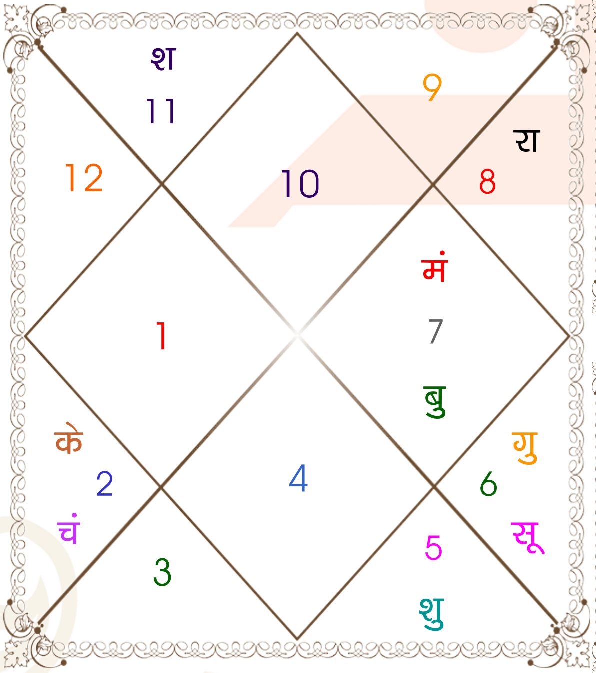

चन्द्र कुंडली

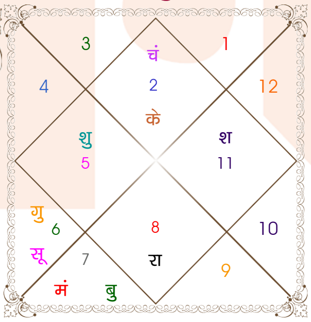

नवमांश कुंडली

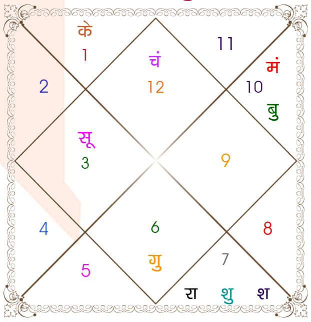

सर्वाष्टकवर्ग

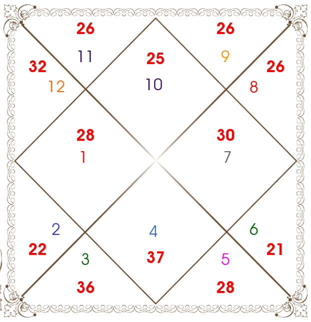

दशमांश कुंडली

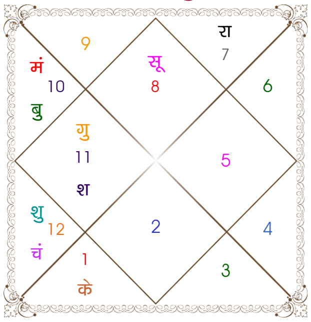

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्विते़ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आप के लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं व्याकुलता का भाव मन में बना रहेगा। शत्रु तथा विरोधी प क्ष यदा कदा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु स्वबुद्धिबल से आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगे। लेखन एवं अध्ययन के प्रति इस वर्ष में आप परिश्रम शील रहेंगे साथ ही कलाओं का ज्ञान भी न्यूनाधिक मात्रा में अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आप अपने व्यवहार के द्वारा अन्य जनों पर सामान्य प्रभाव डालने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही समयोचित तत्काल प्रत्युतर देने में आप चतुराई का प्रदर्शन करेंगे। गणित या अन्य ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी आपको किंचित सफलता इस वर्ष में प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य ही रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी परन्तु उसमें परिश्रम की अधिकता रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग में भी यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें विलम्ब तथा रुकावटें आएंगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से भी आपके संबध मध्यम ही रहेंगे। अतः इनसे भी कोई विशेष लाभ या सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी संतोषप्रद ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश भी सामान्य ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक मात्रा में सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए आप का यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानी रहेगी जिससे शरीर में दुर्बलता की अनुभूति होगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपके रुके हुए कार्यों तथा मानसिक संकल्पों में अल्प मात्रा में ही सफलता प्राप्त होगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद का वातावरण विद्यमान रहेगा। स्त्री से भी आपके विशेष मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा आपसी मतभेद उत्पन्न होंगे फलतः दाम्पत्य संबंधों में तनाव रहेगा। इस वर्ष यात्रा यत्न पूर्वक उपेक्षा करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी साथ ही यात्रा के मध्य कोई कष्ट भी हो सकता है। भौतिक सुख संसाधनों में भी इस समय अल्पता रहेगी तथा मित्र एवं संबंधियों से भी परस्पर तनावपूर्ण संबंध रहेंगे तथा जिससे आपको कोई विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से भी वर्ष मध्यम रहेगा तथा इसमें समय समय पर अनावश्यक समस्याएं रहेगी तथा लाभ मार्गो में भी बाधाएं आएंगी। अतः ऐसे समय में किसी नवीन कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए। नौकरी या राजनीति में भी आप की पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा अधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें परेशानी उत्पन्न होगी। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी। अतः समय की प्रतिकूलता को मध्य नजर रखते हुए बुद्धिमता एवं धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रुके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होती रहेगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे तथा हृदय में उद्विग्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय संबधियों से आपके संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।साथ ही परस्पर कलह का भाव भी उत्पन्न हो सकता है। स्त्री से भी आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा उसका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अतः दाम्पत्य सुख में भी अल्पता की अनुभूति होगी। इस वर्ष में आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से यदा कदा परेशानी की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष शुभ नहीं रहेगा इस समय व्यापार संबधी समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा सहयोगियों एवं साझेदार से हानि की संभावना रहेगी। अतः व्यापार में पूर्ण सतर्कता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नतिमार्ग में बाधाएं आएंगी तथा उसमें अनावश्यक विलम्ब भी होगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी विशेष सहयोग नहीं मिलेगा अतः शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इच्छित सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी।इस समय यात्रा आदि से भी कष्ट एवं हानि की संभावना रहेगी अतःयात्रा की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें तथा ऐसे समय को शान्ति एवं बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

प्रथम मास

05/10/2025 19:11:29 से 04/11/2025 23:34:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	12:58:58
सूर्य		कन्या	हस्त	18:21:33
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:39:16
मंगल		तुला	स्वाति	14:46:09
बुध		तुला	चित्रा	04:04:39
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:46:41
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:29:15
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:11:58
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:02:17
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:02:17
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:37:50

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

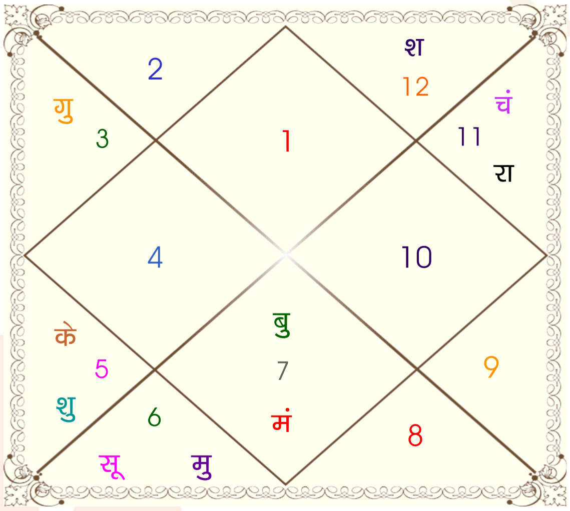

इस मास में आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे अनावश्यक चिन्ताएं तथा समस्याएं बढ़ेंगी। इस समय चोरों से भी सावधान रहना चाहिए तथा अपने उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित हो सकते हैं। इस मास में आपको सांसारिक कार्यों में भी असफलता मिलेगी तथा धन भी अनावश्यक रूप से व्यय होगा। इसके साथ ही आप किसी गलत कार्य को करने के लिए भी प्रेरित होंगे तथा ऐसे कार्यों को करके आप बाद में पश्चाताप करेंगे। अपने सम्बन्धियों से भी आपकी अनबन हो सकती है तथा मान हानि का भी योग बनता है एवं आशाओं में भी असफलता प्राप्त होगी।

परन्तु उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री से सुखी , बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार के सुख प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा तथा किसी धार्मिक कार्य को भी सम्पन्न करेंगे।

द्वितीय मास
04/11/2025 23:34:05 से 04/12/2025 17:18:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	15:51:43
सूर्य		तुला	स्वाति	18:21:33
चन्द्र		मेष	अश्विनी	06:55:32
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	05:55:55
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	11:00:58
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:51:15
शुक्र		तुला	चित्रा	03:02:20
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:25:03
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:40:03
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:40:03
मुंथा		कन्या	हस्त	10:07:50

मासाधिपति

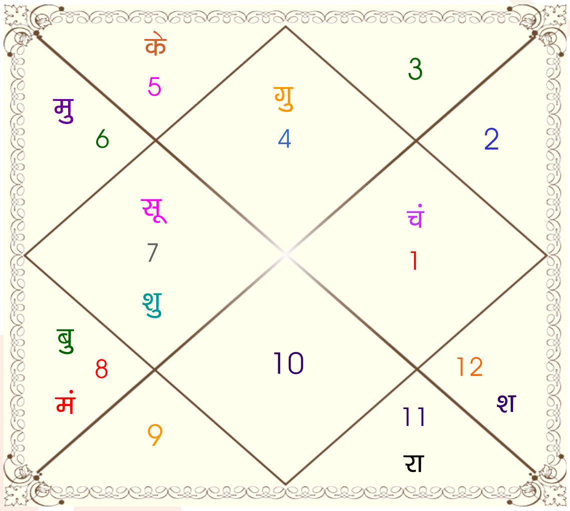

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपको यश तथा सम्मान की भी प्रप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा तथा सत्कार की भावना उत्पन्न होगी। आप अन्य जनों की भलाई के लिए भी तत्पर रहेंगे एवं यत्नपूर्वक इसे सम्पन्न करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करके यश की प्रप्ति करेंगे। साथ ही आपकी मानप्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस मास भाइयों से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही अन्य शुभ फलों के प्रभाव में भी नित्य वृद्धि होती रहेगी। इससे शरीर में आरोग्यता मन में संतुष्टि एवं बुद्धि के प्रभाव में वृद्धि होगी। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक होगा एवं मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न रहेंगे।

तृतीय मास
04/12/2025 17:18:19 से 03/01/2026 04:54:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	18:01:49
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:21:33
चन्द्र		वृष	रोहिणी	11:32:16
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:40:10
बुध		तुला	विशाखा	28:16:14
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:04:32
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	10:22:06
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:58:24
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:35:50
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:35:50
मुंथा		कन्या	हस्त	12:37:50

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

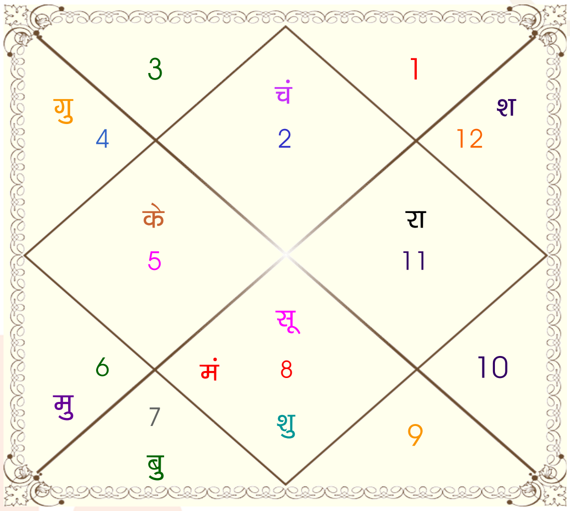

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

चतुर्थ मास
03/01/2026 04:54:01 से 01/02/2026 16:19:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	15:33:44
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:21:33
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	12:11:23
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:58:52
बुध		धनु	मूल	07:27:15
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:52:34
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:28:11
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:03:49
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:25:53
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:25:53
मुंथा		कन्या	हस्त	15:07:50

मासाधिपति

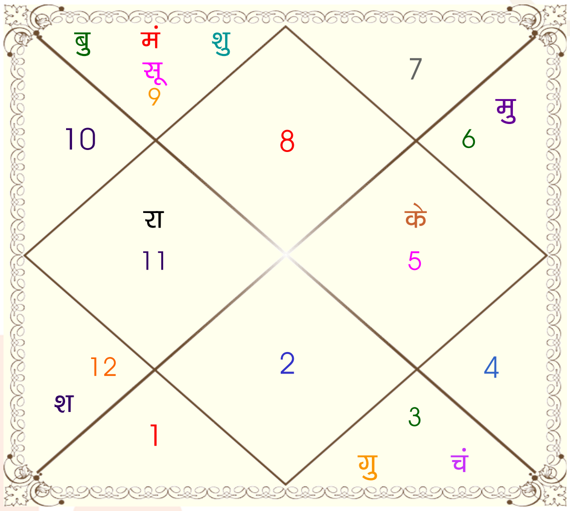

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

पंचम् मास

01/02/2026 16:19:33 से 03/03/2026 09:35:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	27:47:35
सूर्य		मकर	श्रवण	18:21:33
चन्द्र		कर्क	पुष्य	12:08:38
मंगल		मकर	श्रवण	12:51:27
बुध		मकर	धनिष्ठा	26:02:53
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:05:13
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	24:31:13
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:27:42
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:52:10
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:52:10
मुंथा		कन्या	हस्त	17:37:50

मासाधिपति

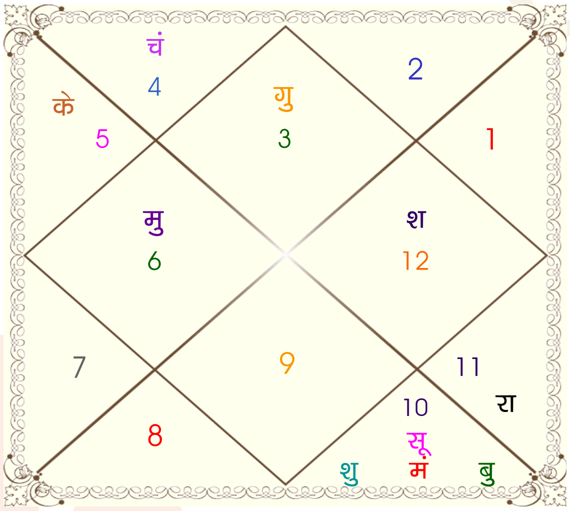

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

03/03/2026 09:35:53 से 02/04/2026 13:19:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	16:13:36
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	18:21:33
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:29:25
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	06:13:47
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:29:45
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:58:01
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	01:41:42
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:45:33
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:45:33
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:33
मुंथा		कन्या	हस्त	20:07:50

मासाधिपति

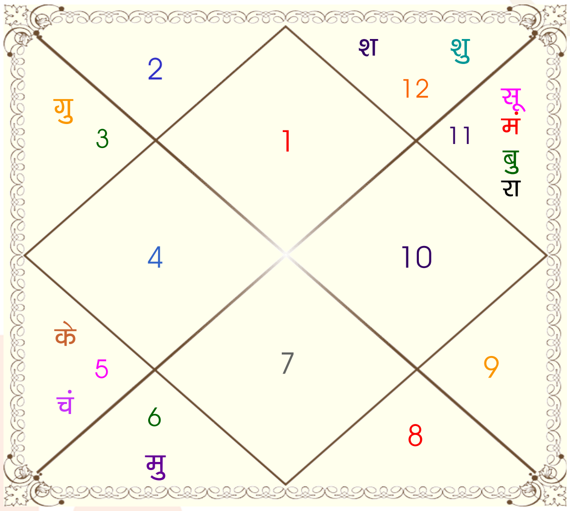

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। फलतः शरीर में कमजोरी रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे वे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। फलतः आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको किसी भी प्रकार से दण्डित भी किया जा सकता है। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएेगी। आपके मित्रों एवं संबधियों से भी इस मास तनाव पूर्ण संबध रहेंगे तथा मनोकामनाएं भी अल्प मात्रा में पूर्ण होगी। इस समय मान हानि का भी योग बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

इसके साथ ही इस मास में आप वायुजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा आग के द्वारा भी आपको धन हानि हो सकती है। अतः आपको पूर्ण रूप से सतर्क होकर अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

सप्तम् मास
02/04/2026 13:19:57 से 03/05/2026 05:31:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	09:49:37
सूर्य		मीन	रेवती	18:21:33
चन्द्र		कन्या	हस्त	21:04:53
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:55:47
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:38:23
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:38:40
शुक्र		मेष	अश्विनी	09:02:55
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:29:14
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:27:34
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:27:34
मुंथा		कन्या	हस्त	22:37:50

मासाधिपति

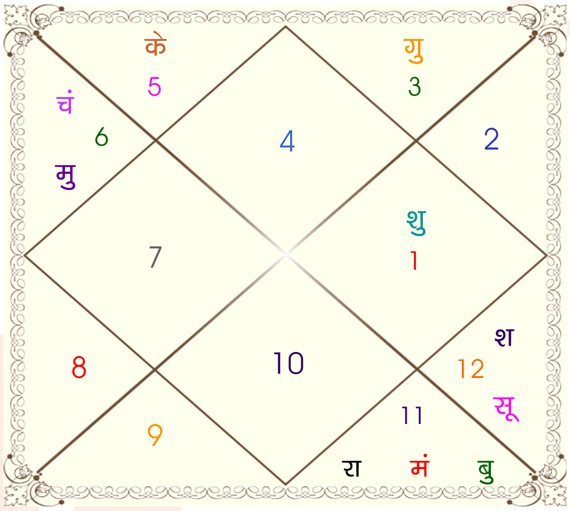

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
03/05/2026 05:31:06 से 03/06/2026 08:49:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	14:39:49
सूर्य		मेष	भरणी	18:21:33
चन्द्र		वृश्चिक	विशाखा	02:30:42
मंगल		मीन	रेवती	23:40:43
बुध		मेष	अश्विनी	05:32:19
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:58:15
शुक्र		वृष	रोहिणी	16:28:58
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:08:39
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	12:23:49
केतु	व	सिंह	मघा	12:23:49
मुंथा		कन्या	चित्रा	25:07:50

मासाधिपति

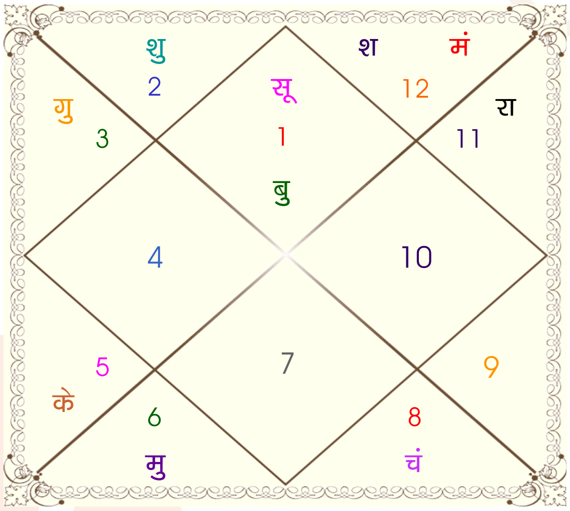

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिये सामान्यतया अशुभ रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आपके धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपको पूर्ण सहयोग रखना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा आप दण्डित भी किए जा सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे एवं धन का व्यय भी अनावश्यक रूप में होता रहेगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप शिथिल हो सकते है। साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आप को बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबधों में भी इस समय तनाव का वातावरण रहेगा तथा समाज से भी आप उपेक्षा प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पितजनित रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा दुर्घटना अदि से भी शरीर में रक्त विकार की संभावना हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस समय अग्नि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास

03/06/2026 08:49:09 से 04/07/2026 18:44:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	04:03:40
सूर्य		वृष	रोहिणी	18:21:33
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:38:21
मंगल		मेष	भरणी	17:06:53
बुध		मिथुन	आर्द्रा	08:29:31
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:14:45
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	23:41:24
शनि		मीन	रेवती	18:11:40
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:57:44
केतु	व	सिंह	मघा	08:57:44
मुंथा		कन्या	चित्रा	27:37:50

मासाधिपति

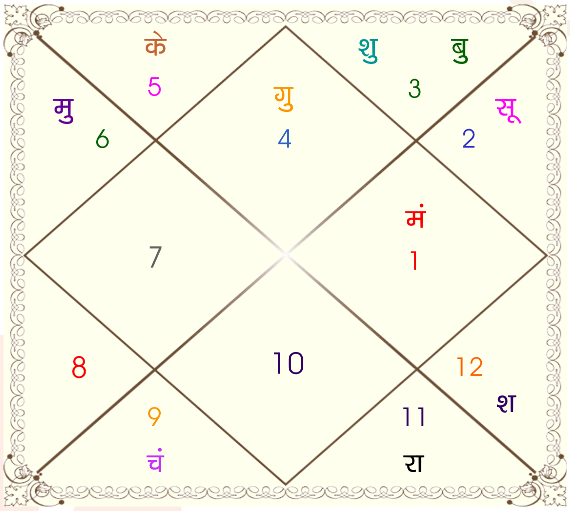

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्य शुभ रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक इनका पूजन तथा आदर करते रहेंगे।साथ ही दूसरे लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपका उचित सहयोग एवं मित्रता रहेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सुख एवं सहयोग आपको प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी आप यदाकदा प्राप्त करेंगे।अतः आप ठंड या वातरोग से पीड़ित हो सकते है तथा आपके द्वारा कोई ऐसा कार्य भी सम्पन्न होगा जिसके लिए आपको पछताना पड़ेगा जिससे समाज में सम्मान में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

दशम् मास

04/07/2026 18:44:34 से 05/08/2026 04:50:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	10:08:59
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	18:21:33
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	09:16:09
मंगल		वृष	कृतिका	09:50:53
बुध	व	कर्क	पुनर्वसु	01:09:28
गुरु		कर्क	पुष्य	06:41:45
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	29:58:38
शनि		मीन	रेवती	20:06:00
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	06:27:46
केतु		सिंह	मघा	06:27:46
मुंथा		तुला	चित्रा	00:07:50

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

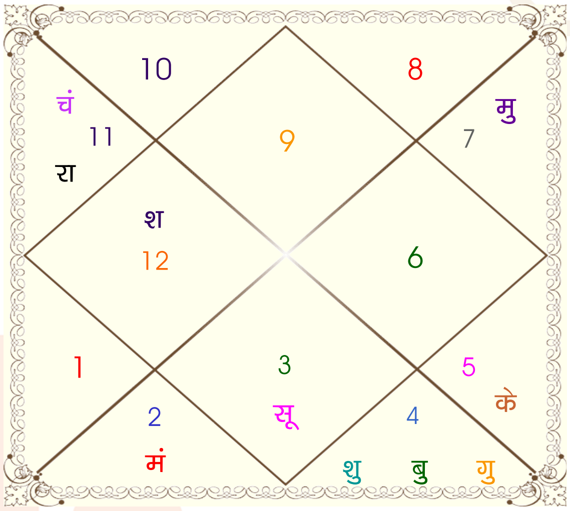

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रुचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रुधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास
05/08/2026 04:50:03 से 05/09/2026 08:35:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	05:53:42
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	18:21:33
चन्द्र		मेष	अश्विनी	03:55:18
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	01:30:43
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	29:14:25
गुरु		कर्क	पुष्य	13:36:34
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:54:53
शनि	व	मीन	रेवती	20:26:51
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:40:08
केतु		सिंह	मघा	05:40:08
मुंथा		तुला	चित्रा	02:37:50

मासाधिपति

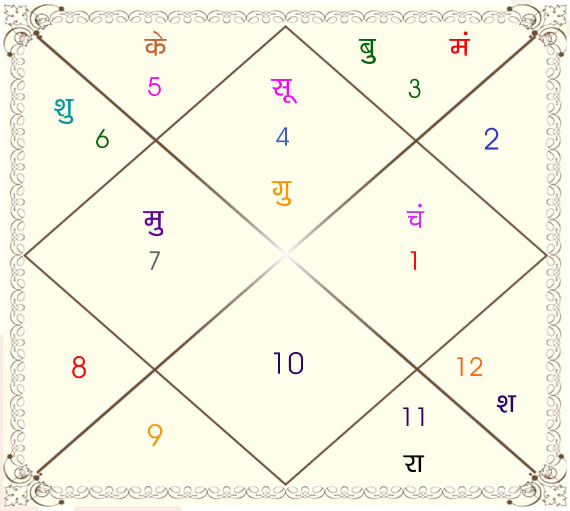

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

05/09/2026 08:35:40 से 06/10/2026 01:24:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	21:29:27
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:21:33
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	28:59:04
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	21:46:05
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:04:34
गुरु		कर्क	आश्लेषा	20:19:44
शुक्र		तुला	चित्रा	02:07:14
शनि	व	मीन	रेवती	19:12:21
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:31:44
केतु		सिंह	मघा	05:31:44
मुंथा		तुला	चित्रा	05:07:50

मासाधिपति

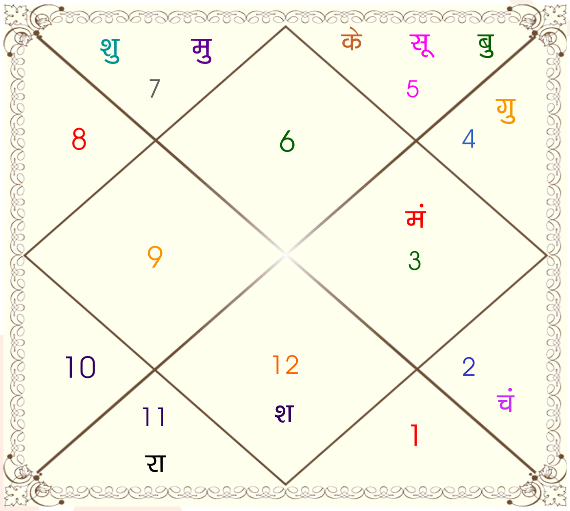

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा उनमें आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा फलतः आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु आपसे इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभफल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोग से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस समय पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करना चाहिए।